नं. 1

संजीव® बुक्स

गृह विज्ञान-XII

मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान

(भाग-1 एवं भाग-2)

(प्रायोगिक कार्य सहित)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2025 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2026

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर–3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

★★★★★★

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान–भाग-1

इकाई I. कार्य, आजीविका तथा जीविका

1. कार्य, आजीविका तथा जीविका 1–24

इकाई II. पोषण, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी

2. नैदानिक पोषण और आहारिकी 25–41
3. जनपोषण तथा स्वास्थ्य 42–53
4. खाद्य प्रसंस्करण और प्रौद्योगिकी 54–66
5. खाद्य गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा 67–83

इकाई III. मानव विकास और परिवार अध्ययन

6. प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा 84–99
7. बच्चों, युवाओं और वृद्धजनों के लिए सहायक सेवाओं, संस्थानों और कार्यक्रमों का प्रबन्धन 100–122

मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान–भाग-2

इकाई IV. वस्त्र एवं परिधान

8. वस्त्र एवं परिधान के लिए डिजाइन 123–142
9. फैशन डिजाइन और व्यापार 143–155
10. संस्थाओं में वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव 156–168

इकाई V. संसाधन प्रबंधन

11. आतिथ्य प्रबंधन 169–186
12. उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण 187–205

इकाई VI. संचार एवं विस्तार

13. विकास संचार तथा पत्रकारिता 206–220
14. निगमित संप्रेषण तथा जनसम्पर्क 221–236
प्रयोगात्मक कार्य **237–264**

गृह विज्ञान कक्षा 12 की पाठ्यपुस्तक– मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान भाग 1 एवं 2 में दी गयी प्रयोगों की सूची

पोषण, खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी

1. खाद्य पदार्थों में मिलावट की जाँच हेतु गुणात्मक परीक्षण
2. पोषण कार्यक्रमों के लिए पूरक खाद्य पदार्थों का विकास और उन्हें तैयार करना
3. विभिन्न केन्द्रित समूहों के लिए संचार के विभिन्न तरीकों का उपयोग करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और जीवन कौशलों के लिए संदेशों का नियोजन
4. परंपरागत और समकालीन विधियों द्वारा खाद्य पदार्थों का संरक्षण
5. तैयार उत्पाद को पैक करना और उनकी शेल्फ लाइफ का अध्ययन

मानव विकास और परिवार अध्ययन

6. समुदाय में बच्चों, किशोरों और वयस्कों के लिए सामाजिक रूप से प्रासंगिक संदेशों को संप्रेषित करने के लिए देशी और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री को उपयोग में लेकर शिक्षण-सहायक सामग्री का निर्माण करना और उसे प्रयोग में लेना।

वस्त्र एवं परिधान

7. अनुप्रयुक्त वस्त्र डिजाइन तकनीकों–बँधाई और रँगाई/बाटिक/ब्लॉक प्रिंटिंग का उपयोग वस्तुओं का निर्माण करना।
8. वस्त्र उत्पादों की देख-भाल और अनुरक्षण—
   (a) मरम्मती सिलाई
   (b) सफाई
   (c) भंडारण

विस्तार और संचार

9. प्रिंट (मुद्रण), रेडियो और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया का संकेन्द्रण, प्रस्तुतीकरण, प्रौद्योगिकी तथा लागत के संदर्भ में विश्लेषण और चर्चा करें।
10. निम्नलिखित थीमों में से किसी एक पर समूहों के साथ बातचीत करें—
    (a) सामाजिक संदेश-जेंडर समता, एड्स, भ्रूण हत्या, बालश्रम, पर्यावरण और इसी प्रकार की अन्य थीम
    (b) वैज्ञानिक तथ्य/खोज
    (c) कोई महत्त्वपूर्ण घटना/इवेंट

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

गृह विज्ञान

(HOME SCIENCE)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 56**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

General Instructions to the Examinees :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
   Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsorily.
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
   All the questions are compulsory.
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
   Write the answer to each question in the given answer-book only.
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
   For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें।
   If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English version of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
   Write down the serial number of the question before attempting it.
7. प्रश्न क्रमांक 14 से 18 में आन्तरिक विकल्प हैं।
   There are internal choices in Question Nos. 14 to 18.

खण्ड-अ (Section-A)

1. **बहुविकल्पी प्रश्न–निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।**
(Multiple Choice Questions Answer–The following questions by selecting the correct option and write them in the answer-sheet.)

(i) निम्न में से शिल्प के उदाहरण हैं— [$^1/_2$]
(अ) धातु शिल्प (ब) आभूषण बनाना (स) बुनाई (द) उपरोक्त सभी

(ii) निर्धारित आहार का अनुसरण करने की आवश्यकता संबंधी शिक्षा और सलाह मरीज़ को देता है? [$^1/_2$]
(अ) शिक्षक (ब) फल एवं सब्जी विक्रेता
(स) आहार चिकित्सक (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iii) अधिकांश कार्य धन कमाने के लिए हो सकते हैं–इन कार्यों को परंपरागत रूप से कहा जाता है— [$^1/_2$]
(अ) नौकरी (ब) जनसेवा
(स) (अ) और (ब) (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) वर्ली चित्रकला किस राज्य की प्रसिद्ध है? [$^1/_2$]
(अ) उड़ीसा (ब) असम (स) राजस्थान (द) महाराष्ट्र

(v) निम्न में से तरल आहार का उदाहरण है? [$^1/_2$]
(अ) खिचड़ी (ब) साबुदाने की खीर (दलिया)
(स) सूप (द) उपरोक्त सभी

(vi) 'रतौंधी' किसकी कमी से होता है? [1/2]
(अ) विटामिन B_{12} की कमी से (ब) विटामिन C की कमी से
(स) विटामिन A की कमी से (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(vii) आँगनबाड़ी किस के अन्तर्गत कार्य करती है? [1/2]
(अ) क्रेच (ब) स्वास्थ्य केन्द्र (स) आई.सी.डी.एस. (द) विद्यालय

(viii) "टॉडलर" किसे कहा जाता है? [1/2]
(अ) दो से तीन वर्ष के बच्चों को (ब) एक वर्ष से कम के बच्चों को
(स) पाँच वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ix) बच्चे संवेदनशील होते हैं, क्योंकि— [1/2]
(अ) बाल्यावस्था सभी क्षेत्रों में तीव्र विकास की अवधि होती है
(ब) बाल्यावस्था सभी क्षेत्रों में धीमे विकास की अवधि होती है
(स) बाल्यावस्था में बच्चों को औपचारिक शिक्षा दी जाती है
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(x) समाज की मूल इकाई होती है — [1/2]
(अ) विद्यालय (ब) अस्पताल
(स) परिवार (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(xi) रंग के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है? [1/2]
(अ) प्रत्येक व्यक्ति रंग के प्रति प्रतिक्रिया करता है (ब) हमारे चारों ओर रंग कई रूपों में है
(स) रंग फैशन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है (द) उपरोक्त सभी

(xii) फैशन चक्र का प्रथम स्तर है— [1/2]
(अ) लोकप्रियता में वृद्धि (ब) लोकप्रियता की पराकाष्ठा
(स) शैली की प्रस्तुति (द) इनमें से कोई नहीं

(xiii) हस्त-चालित मशीन में प्रचालक को कितना प्रतिशत काम हाथ से करना पड़ता है? [1/2]
(अ) 50 प्रतिशत या अधिक (ब) 40 प्रतिशत से कम
(स) जीरो प्रतिशत (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(xiv) अस्पताल के धुलाईघर में निम्न में से किसका ध्यान रखा जाता है? [1/2]
(अ) स्वास्थ्य का (ब) स्वच्छता का (स) विसंक्रमण का (द) उपरोक्त सभी

(xv) किसी सामाजिक-आर्थिक तंत्र का प्राथमिक घटक होता है? [1/2]
(अ) विक्रेता (ब) निर्माता (स) उपभोक्ता (द) उपरोक्त सभी

(xvi) प्राकृतिक रेशम को सुनिश्चित करता है— [1/2]
(अ) सिल्कमार्क '90' (ब) सिल्कमार्क '100'
(स) सिल्कमार्क '85' (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

(xvii) रेड रिबन एक्सप्रेस निम्न में से किसके बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देशव्यापी अभियान था? [1/2]
(अ) हृदय रोग (ब) एच.आई.वी. (एड्स)
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं

(xviii) श्रवण कौशल के तीन भाग होते हैं— [1/2]
(अ) सुनना, बोलना और सीखना (ब) सुनना, समझना और प्रतिक्रिया
(स) बोलना, सीखना और प्रतिक्रिया (द) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए** (Fill in the blanks) :

(i) सुकार्यिकी मानव और .... का सामंजस्य है। [1/2]
(ii) फ़ैक्टरी अधिनियम की धारा 48 कहती है कि यदि किसी उद्योग या फ़ैक्टरी में तीस से अधिक महिलाएँ नियुक्त की जाती हैं तो .... की व्यवस्था रखनी चाहिए। [1/2]
(iii) बुनाई भारत का एक .... उद्योग है। [1/2]
(iv) पोषण .... की अवस्था में भी महत्त्वपूर्ण होता है। [1/2]
(v) जन स्वास्थ्य पोषण, अध्ययन का वह क्षेत्र है जो अच्छे .... को बढ़ावा देने से संबंधित है। [1/2]
(vi) क्रोमा या तीव्रता (इंटेंसिटी) रंग की .... होती है। [1/2]

(vii) जिस तरीके से फ़ैशन बदलता है, उसे सामान्यत: .... के रूप में जाना जाता है। [$^1/_2$]

(viii) अस्थायी फ़ैशन (फ़ैड्स) .... के लिए होते हैं और एक ही बार आकर चले जाते हैं। [$^1/_2$]

(ix) रेडियो तथा टेलीविजन सर्वाधिक लोकप्रिय, सबसे सस्ते तथा सुविधाजनक .... हैं। [$^1/_2$]

(x) .... किसी भी संगठन का महत्त्वपूर्ण प्रकार्य या गतिविधि है। [$^1/_2$]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(Very Short Answer Type Questions : Answer the following questions in one word or one line.)

(i) सुकार्यिकी के कोई दो लाभ बताइये। [1]
Write any two benefits of Ergonomics.

(ii) सूक्ष्मपोषकों की कमी से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by micronutrient deficiencies?

(iii) भारत में स्वास्थ्य देखभाल कितने स्तरों पर की जाती है? [1]
At how many levels is health care provided in India?

(iv) प्रारम्भिक बाल्यावस्था को परिभाषित कीजिए। [1]
Define early childhood.

(v) दिवस देखभाल केन्द्र (डे-केयर) क्या है? [1]
What is a Day Care Center (Day-Care)?

(vi) किशोर/बालगृह में बच्चों को क्यों रखा जाता है? [1]
Why are Children kept in Juvenile/Children's homes?

(vii) धुलाई मशीन के दो प्रकार के मॉडल कौन-कौन से उपलब्ध हैं? [1]
Which models of washing machines are available?

(viii) कौनसी धुलाई मशीन में मशीन को चला रहे व्यक्ति के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती? [1]
Which washing machines do not require intervention of the person operating the machine?

(ix) 'चेक आउट' से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by 'Check Out'?

(x) 'उपभोक्ता व्यवहार' से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by consumer behaviour?

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)

Short Answer Type Questions : (Answer word limit approx 50 words)

4. आप पोस्ट ऑपरेटिव रोगी को किस प्रकार का आहार देंगे? उदाहरण सहित समझाइए। [$1^1/_2$]
What type of diet will you give to a post operative patient? Explain with examples.

5. खाद्य पदार्थों में भौतिक संकट को चित्रबद्ध कीजिए। [$1^1/_2$]
Draw a diagram of the Physical hazards in food items.

6. खाद्य पदार्थों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु आप किन महत्त्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखेंगे? [$1^1/_2$]
What are the most important things you will keep in mind to ensure food safety?

7. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 (एन.सी.एफ.) के अनुसार ई.सी.सी.ई. के कोई तीन मार्गदर्शी सिद्धांत लिखिए। [$1^1/_2$]
Write any three guiding principles of ECCE as per National Curriculum Framework 2005 (N.C.F.).

8. प्रारंभिक बाल्यावस्था में व्यावसायिक बनने के लिए आपको किन ज्ञान व कौशलों की आवश्यकता होगी? (कोई तीन) [$1^1/_2$]
What knowledge and skills will you need to become a professional in early childhood? (any three)

9. निम्न पर टिप्पणी लिखिए— [$1^1/_2$]
(अ) अनुपात (ब) आवर्तिता (रिपिटीशन)
Write short notes on—
(A) Proportion (B) Rhythm (repetition)

10. आप वस्त्र एवं परिधान के लिए डिज़ाइन के क्षेत्र में जीविका के लिए किस प्रकार तैयारी करेंगे? [$1^1/_2$]
How do you prepare for a career in design for fabric and apparel?

11. फ़ैशन चक्र का चित्र बनाइये। [$1^1/_2$]
Draw the diagram of fashion cycle.

12. आंतरिक संप्रेषण से क्या आशय है? [$1^1/_2$]
What is meant by Internal Communication?

13. जनसंपर्क गतिविधियों के कोई भी दो क्षेत्रों को समझाइए। [$1^1/_2$]
Explain any two areas of Public relation activity.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)

Long Answer Type Questions : (Answer word limit approx 100 words)

14. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए। [3]
(अ) विनिर्मित खाद्य (ब) चिकित्सीय खाद्य (स) संरक्षित खाद्य
Write short notes on the following.
(A) Preserved foods. (B) Medical foods. (C) Minimally processed foods.

अथवा/OR

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।
(अ) खाद्य विज्ञान (ब) खाद्य संसाधन (स) खाद्य प्रौद्योगिकी
Write short notes on the following.
(A) Food Science (B) Food Processing (C) Food Technology

15. आतिथ्य उद्योगों के विभाग (क्षेत्र) को चित्रबद्ध कीजिए। [3]
Draw the departments (sectors) in Hospitality Industry.

अथवा/OR

आतिथ्य उद्योग के प्रमुख कार्यालय के विभाग संगठन को चित्रबद्ध कीजिए।
Draw a diagram of the organisation of the front office department of hospitality Industry.

16. विकास संचार में कैरियर बनाने के लिए आपको किन-किन ज्ञान और कौशलों की आवश्यकता होगी? [3]
What knowledge and skills will you need to pursue career in development communication?

अथवा/OR

आप अपने भाई को विकास संचार व पत्रकारिता कार्यक्षेत्र में जीविका के कौन-कौन से विकल्पों की सलाह देंगे?
What career options would you recommend to your brother in the field of Development Communication and Journalism?

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions) :

17. उपभोक्ता के रूप में आप उपभोक्ता समस्याओं से कैसे निपटेंगे? [4]
As a consumer how will you deal with the consumer related problems?

अथवा/OR

उपभोक्ता के रूप में आप अपने दायित्वों को कैसे निभायेंगे?
As a consumer how will you fulfil your duties?

18. बच्चों व युवाओं के लिए अपना निजी संस्थान खोलने की योजना बनाने वाली अपनी बहिन को आप क्या सलाह देंगे? [4]
What advice will you give to your sister who is planning to set up her own institution for children and youth?

अथवा/OR

वृद्धजनों के संस्थान में प्रबंधक बनने के लिए आप क्या तैयारी करेंगे?
How will you prepare to become a manager in an elderly institution?

❑❑❑

गृह विज्ञान कक्षा-12

मानव पारिस्थितिकी एवं परिवार विज्ञान—भाग 1

1. कार्य, आजीविका तथा जीविका

पाठ-सार

कार्य—

(1) कार्य मूलत: ऐसी गतिविधि है, जिसे सभी मनुष्य करते हैं और जिसके द्वारा प्रत्येक, इस संसार में एक स्थान पाता है, नए संबंध बनाता है, अपनी विशिष्ट प्रतिभाओं और कौशलों का उपयोग करता है, अपनी पहचान और समाज के प्रति लगाव की भावना को विकसित करता है।

(2) सभी मनुष्यों के लिए कार्य मुख्यत: दैनिक जीवन की अधिकांश गतिविधियाँ हैं। लोगों द्वारा किये जाने वाले कार्य शिक्षा, स्वास्थ्य, आयु, लिंग, अवसर की सुलभता, वैश्वीकरण, भौगोलिक स्थिति, वित्तीय लाभ, पारिवारिक पृष्ठभूमि आदि अनेक कारकों पर निर्भर होते हैं।

(3) अधिकांश व्यक्ति इतना धन अर्जित करने के लिए कार्य करते हैं जिससे परिवार का खर्च चल सके और साथ ही आराम, मनोरंजन, खेल और खाली समय के लिए समुचित व्यवस्था हो सके। लेकिन कुछ ऐसे लोग भी हैं जो आनंद, बौद्धिक प्रोत्साहन, कर्त्तव्य तथा समाज को योगदान इत्यादि के लिए निरंतर कार्य करते हैं, इस तथ्य के बावजूद कि वे इससे कोई धन अर्जित नहीं कर रहे हैं। जैसे—गृहिणियाँ, माताएँ आदि।

अर्थपूर्ण कार्य—अर्थपूर्ण कार्य समाज अथवा अन्य लोगों के लिए उपयोगी होता है, जिसे जिम्मेदारी से किया जाता है और करने वाले के लिए आनंददायक भी होता है। ऐसा कार्य व्यक्तिगत विकास में योगदान देता है, व्यक्ति में विश्वास जागृत करता है तथा इससे कार्य सम्पन्न करने की क्षमता मिलती है।

नौकरी और जीविका में भेद—नौकरी और करिअर (जीविका) में अन्तर है। अधिकांश धन कमाने के लिए किए जाने वाले कार्यों को परम्परागत रूप से नौकरी कहा जाता है। अत: नौकरी उसके निमित्त कार्य करना है, जबकि करिअर (जीविका) जीवन को बेहतर बनाने की प्रबल इच्छा और आगे बढ़ने, विकसित होने तथा चुने हुए कार्य क्षेत्र में स्वयं को प्रमाणित करने की आवश्यकता से जुड़ा होता है।

जीविका—जीविका का अर्थ है—साधन और व्यवसाय तथा जिसके द्वारा कोई, मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वयं की सहायता करता है और अपनी जीवनशैली को बनाए रखता है।

जीविका एक जीवन-प्रबंध संकल्पना है जिसमें विकास होता रहता है।

कार्य के परिप्रेक्ष्य—कार्य के बहुत से परिप्रेक्ष्य होते हैं। व्यापक रूप से इसके प्रचलित अर्थ हैं—(i) एक नौकरी व जीविका के रूप में कार्य (ii) जीविका के रूप में कार्य और (iii) जीविका के रूप में मनपसंद कार्य।

भारत के परम्परागत व्यवसाय—

(i) **कृषि** जनसंख्या के एक बड़े भाग के मुख्य व्यवसायों में से एक रहा है क्योंकि यहाँ की जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त हैं। देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जिसके लिए कृषि ही रोजगार का सबसे बड़ा साधन है।

देश के अधिकांश भागों में किसान 'नकदी फसलें' उगाते हैं और कुछ क्षेत्रों में आर्थिक महत्त्व वाली फसलें, जैसे—चाय, कॉफी, इलायची, रबड़ आदि उगाते हैं। इनसे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।

(ii) भारत में दूसरा महत्त्वपूर्ण व्यवसाय **मछली पकड़ने** का है, क्योंकि देश की तटरेखा काफी लम्बी है।

(iii) भारतीय गाँवों के परम्परागत व्यवसायों में **हस्तशिल्प** भी एक प्रमुख व्यवसाय है, जैसे—काष्ठशिल्प, मिट्टी के बर्तन, धातुशिल्प, आभूषण बनाना, कंघा-शिल्प, काँच और कागज शिल्प, कशीदाकारी, बुनाई, रंगाई और छपाई, शैली शिल्प, चित्रण कला, मूर्तिकला, दरी, गलीचे, कार्पेट, मिट्टी व लोहे की वस्तुएँ इत्यादि।

प्रत्येक राज्य के विशिष्ट वस्त्र, कशीदाकारी और परंपरागत परिधान होते हैं। भारत विभिन्न प्रकार की बुनाई के लिए प्रसिद्ध है।

परंपरागत रूप से, शिल्प निर्माण/उत्पादन करने की विधियाँ, तकनीक और कौशल परिवार के सदस्यों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सौंप दिये जाते हैं। ऐसे अनेक परम्परागत व्यवसाय हैं, जैसे—माला बनाना, नमक बनाना, ताड़ का रस निकालना, ईंट व टाइल बनाना, पुजारी, सफाई करने वाले, चमड़े का काम करने वाले आदि।

(iv) बुनाई, कशीदाकारी और चित्रण कलाओं के समान भारत के प्रत्येक क्षेत्र की विशिष्ट पाक प्रणाली भी है। अनेक व्यक्तियों के लिए यह आजीविका का स्रोत है। भारत में चित्रण कलाओं की भी विविधता है।

(v) **भारतीय परम्परागत व्यवसायों व कलाओं के लिए चुनौतियाँ**—निरक्षरता, सामाजिक-आर्थिक पिछड़ापन, भूमि सुधार की धीमी गति, अपर्याप्त व अकुशल वित्तीय और विपणन सेवाएँ, वन-आधारित संसाधनों का कम होना, सामान्य पर्यावरणीय निम्नीकरण आदि।

इनके उत्थान के लिए—नए डिजाइन बनाना, संरक्षण और परिष्करण नीतियाँ बनाना, पर्यावरण हितैषी कच्चे माल का उपयोग, पैकेजिंग व प्रशिक्षण सुविधाओं की व्यवस्था आदि की आवश्यकता है।

लिंग (सेक्स) तथा जेंडर (स्त्री-पुरुष) से जुड़े कार्यों के मुद्दे—

(i) सामान्यत: मानव जाति को दो लिंगों में बाँटा गया है—स्त्री और पुरुष। लेकिन हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पारजेंडर (ट्रांसजेंडर) लोगों को तीसरे जेंडर के रूप में मान्यता दी है।

(ii) लिंग (सेक्स) अनुवांशिकी, जनन अंगों इत्यादि के आधार पर जैविक वर्ग से संबंधित है जबकि जेंडर सामाजिक पहचान पर आधारित है। प्रत्येक समाज में सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाएँ तय करती हैं कि विभिन्न जेंडरों को कैसा व्यवहार करना है और उन्हें किस प्रकार के कार्य करने हैं। व्यवहार सम्बन्धी ये मानदण्ड व प्रथाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होने और निरन्तर चलन में रहने से जेंडर शब्द की रचना सामाजिक रूप से बनाई गई हैं।

(iii) सामान्य और अपेक्षित व्यवहार से अलग किसी भी तरह का विचलन अनौपचारिक, अपरंपरागत और कभी-कभी अवज्ञाकारी हो जाता है।

(iv) समय बीतने के साथ-साथ भूमिकाएँ और आचरण विकसित हो रहे हैं, जिसका परिणाम 'परिवर्तन के साथ निरंतरता' में हो रहा है। यही कारण है कि आज पूरे भारत में स्त्रियाँ उत्पादन संबंधी कार्यों और विपणन सम्बन्धी कार्यों से जुड़कर परिवार की आय में योगदान कर रही हैं।

(v) कमाने में सक्रिय भागीदारी और परिवार के संसाधनों में योगदान देने के बावजूद स्त्रियों को स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने और स्वतंत्र रहने की मनाही है। इस कारण स्त्रियाँ निरंतर शक्तिहीन रहती चली आ रही हैं।

(vi) महिलाएँ तब तक सशक्त नहीं हो सकतीं जब तक कि घर पर किए गए उनके कार्यों का मूल्य नहीं आँका जाता और उसे सवैतनिक कार्य के बराबर नहीं माना जाता।

(vii) घर के बाहर कामकाजी महिलाओं पर दोहरा भार पड़ गया है क्योंकि अभी भी उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे घर का अधिकांश काम-काज करें और मुख्य देखभाल करने वाली बनी रहें।

स्त्रियाँ और उनके कार्य से संबंधित मुद्दे और सरोकार—

(i) कुशल कारीगरों की आवश्यकता के कारण श्रम-बाजार में स्त्रियों की भागीदारी के अवसरों में कमी आई है।